# राजस्थान में 65 आई.ए.एस. अफसरों के तबादले, 25 जिलों में बदले गए कलेक्टर

## जितेन्द्र सोनी को मुख्यमंत्री के सचिव और डीआईपीआर शासन सचिव की जिम्मेदारी मिली

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** राज्य सरकार ने मंगलवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस) के 65 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस बदलाव में 25 जिलों के कलक्टर भी बदले गए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री के सचिव और विशिष्ट सचिव भी बदले गए हैं।

आदेश के मुताबिक जयपुर कलक्टर रहे जितेंद्र कुमार सोनी को मुख्यमंत्री का सचिव नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्हें सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के शासन सचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव संदेश नायक को अब जयपुर का नया कलक्टर बनाया गया है। उत्सव कौशल और अमित शर्मा मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव नियुक्त किए गए है। रिया डाबी, रजत यादव और अक्षत कुमार सिंह को विशेषाधिकारी मुख्यमंत्री के पद पर लगाया गया है। जबकि गरिमा नरूला को विशेषाधिकारी मुख्य सचिव कार्यालय जयपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं टीना डाबी को बाड़मेर से टोंक कलक्टर के पद पर तबादला किया गया है।

सीकर में अब नए कलक्टर आशीष मोदी होंगे। सीकर से मुकुल शर्मा का ट्रांसफर सीएम के विशिष्ट सचिव पद पर कर दिया गया है। करीब डेढ़ साल बाद सीकर को नया कलेक्टर मिला है। सूची में डॉ. जोगाराम को सचिव आयुक्त पंचायती राज विभाग व निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राजन विशाल को निदेशक जल जीवन मिशन जयपुर, जितेंद्र कुमार सोनी को सचिव मुख्यमंत्री व सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, कन्हैया लाल स्वामी को संभागीय आयुक्त जोधपुर, नकाते शिवप्रसाद मदन को प्रबंध निदेशक राजस्थान ऊर्जा विकास व आईटी सर्विसेज, शिवांगी स्वर्णकार को विशिष्ट सचिव वित्त विभाग व सीईओ पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट ट्रेनिंग सोसायटी, ओमप्रकाश कसेरा को आयुक्त नगर निगम जयपुर, नमित मेहता को आयुक्त आबकारी विभाग उदयपुर, नम्रता वर्षणी को विशिष्ट सचिव खान व पेट्रोलियम विभाग, अरविंद पोसवाल को आयुक्त राजस्थान आवासन मंडल, डॉ रश्मि शर्मा को निदेशक समग्र शिक्षा अभियान व विशिष्ट सचिव सांख्यिकी विभाग, लक्ष्मी नारायण मंत्री को आयुक्त उदयपुर व देवस्थान विभाग, कल्पना अग्रवाल को विशिष्ट सचिव जलग्रहण विकास व भू-संरक्षण विभाग, सुरेश ओला को प्रबंध निदेशक रीको व आयुक्त दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, प्रियंका गोस्वामी को आजीविका परियोजनाएं व स्वयं सहायता समूह जयपुर, अल्पा चौधरी को भू-प्रबंधन आयुक्त व पदेन निदेशक बंदोबस्त, बाबूलाल गोयल को आयुक्त चिकित्सा शिक्षा विभाग जयपुर के पद पर तैनात किया गया है।

वहीं, नीलाभ सक्सेना को आयुक्त उद्योग व वाणिज्य सीएसआर, ललित कुमार को निदेशक सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, उत्सव कौशल को संयुक्त सचिव मुख्यमंत्री, गौरव सैनी को सचिव जयपुर विकास प्राधिकरण, श्वेता चौहान को आयुक्त उद्यान विभाग जयपुर, राहुल जैन को आयुक्त नगर निगम जोधपुर, महेंद्र खड़गावत को संयुक्त सचिव श्रम व कारखाना (बॉयलर निरीक्षण) विभाग, नरेश कुमार गोयल को आयुक्त कृषि व पंचायती राज विभाग जयपुर, जयदेव सीएस को सचिव मानवाधिकार आयोग, शैलजा पांडे को सीईओ माडा बीकानेर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सूची में कई जिलों के कलक्टर भी बदले गए हैं। इनमें संदेश नायक को जयपुर, अनुपमा जोरवाल को जैसलमेर, आलोक रंजन को जोधपुर, गौरव अग्रवाल को उदयपुर, चिन्मय गोपाल को बाड़मेर, शुभम चौधरी को प्रतापगढ़, आशीष मोदी को सीकर, अंकित कुमार सिंह को फलोदी, बालमुकुंद असावा को बारां, निशांत जैन को बीकानेर, टीना डाबी को टोंक, रविंद्र गोस्वामी को पाली, रोहिताश्व सिंह तोमर को सिरोही, हरफूल सिंह यादव को बूंदी, अवधेश मीणा को डीडवाना-कुचामन, देवेंद्र कुमार को नागौर, अक्षय गोदारा को करौली, सौम्या झा को दौसा, अतुल प्रकाश को खैरथल-तिजारा, देशल दान को डूंगरपुर, मोहम्मद जुनेद पी पी को सलूम्बर, मयंक मनीष को डीग, अपर्णा गुप्ता को कोटपूतली-बहरोड़, अमित यादव को श्रीगंगानगर और डॉ मंजू को चित्तौड़गढ़ जिले का नया कलक्टर बनाया गया है।

- मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव संदेश नायक को अब जयपुर का नया कलक्टर बनाया गया है
- रिया डाबी, रजत यादव और अक्षत कुमार सिंह को मुख्यमंत्री का विशेषाधिकारी बनाया

# राजस्थान में खेल सुविधाओं को मजबूत कर रही भजनलाल सरकार

## मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026-27 के लिए 271 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है, जो खेल सुविधाओं के विस्तार पर खर्च होगा

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश की युवा शक्ति और खेल प्रतिभाओं को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है। युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में अर्जित की गई उपलब्धियों और आगामी वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित महत्वाकांक्षी कार्ययोजना ने राजस्थान को खेलों के मानचित्र पर एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री के इस दूरदर्शी विजन का ही परिणाम है कि प्रदेश में न केवल बुनियादी खेल ढांचा मजबूत हो रहा है, बल्कि खिलाड़ियों के सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा की दिशा में भी ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। बीते वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरकार ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के सफल आयोजन के साथ अपनी प्रबंधकीय कुशलता का लोहा मनवाया।

प्रदेश के सभी जिलों में "वन डिस्ट्रिक्ट-वन स्पोर्ट्स" नीति को पूरी तरह लागू कर स्थानीय प्रतिभाओं को उनके ही क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए गए। युवा नीति-2026 के शुभारंभ और फिट राजस्थान अभियान के जरिए सरकार ने जन-जन को स्वास्थ्य और खेल के प्रति जागरूक किया है। विशेष रूप से खिलाड़ियों के लिए शुरू की गई बीमा योजना और अनुदान सहायता ने प्रदेश के एथलीटों को एक सुरक्षित भविष्य का भरोसा दिया है। भविष्य की तैयारियों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026-27 के लिए 271 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है, जो सीधे तौर पर खेल सुविधाओं के विस्तार पर खर्च होगा।

इस कार्ययोजना के तहत प्रदेश में 23 नए स्टेडियमों का निर्माण और 15 मौजूदा स्टेडियमों का आधुनिकीकरण किया जाना प्रस्तावित है। खेल शिक्षा को नया आयाम देने के लिए महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व फिजिकल रिहैब सेंटर विकसित किए जा रहे हैं। सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और मल्टीपर्पज इनडोर हॉल्स की संख्या में भारी बढ़ोतरी कर सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हमारे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग मिल सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का लक्ष्य केवल ढांचागत विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि खेलो राजस्थान यूथ गेम्स, टैलेंट हंट और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के खिलाड़ियों को पोडियम तक पहुँचाना है। संभाग स्तर के साथ-साथ सीकर जैसे जिलों में युवा साथी केंद्रों का विस्तार इस बात का प्रमाण है कि सरकार युवाओं की पहुंच और सुविधाओं के विकेंद्रीकरण के प्रति गंभीर है। यह समग्र प्रयास न केवल राजस्थान की खेल संस्कृति को बदलेंगे, बल्कि आगामी वर्षों में प्रदेश की युवा ऊर्जा को एक नई और सकारात्मक दिशा प्रदान करेंगे।

- इस कार्ययोजना के तहत प्रदेश में 23 नए स्टेडियमों का निर्माण और 15 मौजूदा स्टेडियमों का आधुनिकीकरण किया जाना प्रस्तावित है। इसके साथ ही महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व फिजिकल रिहैब सेंटर विकसित किए जाएंगे।

# आचार्य बालकृष्ण को मिला 'विश्व आयुर्वेद रत्न' सम्मान

## यूनेस्को हाउस नई दिल्ली में आयोजित अर्थ अवार्ड 2026 में मिला सम्मान

**हरिद्वार।** आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने और भारतीय ज्ञान-परंपरा के संरक्षण में निरंतर कार्य कर रहे आचार्य बालकृष्ण को एक और अंतरराष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। नेट ग्रीन फाउंडेशन की ओर से आयोजित अर्थ अवार्ड एंड हाई इंपैक्ट सस्टेनेबिलिटी डायलॉग 2026 के अंतर्गत उन्हें "विश्व आयुर्वेद रत्न" से अलंकृत किया गया। यह समारोह यूनेस्को हाउस नई दिल्ली में आयोजित हुआ। जिसमें देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व मौजूद रहें।हालांकि आचार्य बालकृष्ण इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने इस सम्मान को आयुर्वेद की उस महान परंपरा को समर्पित किया, जो हजारों वर्षों से मानवता के समग्र स्वास्थ्य और संतुलित जीवन का मार्ग प्रशस्त करती आई है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान किसी व्यक्ति का नहीं बल्कि उस समृद्ध भारतीय परंपरा का है, जिसने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के सिद्धांत को जीवन में उतारा।कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा तथा यूनेस्को की प्राकृतिक विज्ञान इकाई के प्रमुख डॉ. बेन्नो बोएर सहित कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और नीति-निर्माता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी गणमान्य अतिथियों ने आयुर्वेद और सतत विकास के बीच गहरे संबंध पर विचार साझा किए।

नेट ग्रीन फाउंडेशन की ओर से पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण को 'विश्व आयुर्वेद रत्न' के सम्मान के लिए जब उनके नाम की घोषणा की गई तो मंच के पीछे बड़े स्क्रीन पर उनकी छवि प्रदर्शित की गई।

ज्ञात रहे कि आचार्य बालकृष्ण ने आयुर्वेद को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जोड़कर उसे विश्व पटल पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पतंजलि के माध्यम से उन्होंने न केवल आयुर्वेदिक उत्पादों को घर-घर तक पहुंचाया, बल्कि शोध, शिक्षा और औषधीय पौधों के संरक्षण में भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

- आचार्य श्री ने सम्मान को आयुर्वेद की हजारों साल पुरानी महान परंपरा को समर्पित किया
- उन्होंने आयुर्वेद और सतत विकास के बीच गहरे संबंध पर विचार साझा किए गए

# नए वित्तीय वर्ष में गैस, टोल और शराब महंगी

**जयपुर (कासं)।** नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ राजस्थान में एक अप्रैल से कई अहम बदलाव लागू हो गए हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की जेब और दिनचर्या पर पडेगा। जहां एक ओर कमर्शियल गैस सिलेंडर, हाईवे टोल, शराब और पर्यटन गतिविधियां महंगी हो गई हैं, वहीं स्कूल, आंगनबाडी और सरकारी अस्पतालों के समय में भी बदलाव किया गया है।

राज्य में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में करीब 195 रुपए तक की बढ़ोतरी हुई है। जयपुर में इसकी कीमत 1911 रुपए से बढ़कर 2106 रुपए हो गई है। इस बढ़ोतरी का असर होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट के साथ-साथ शादी-ब्याह की कैटरिंग पर भी पड़ सकता है।

प्रदेश के 170 से अधिक टोल प्लाजाओं पर टोल दरों में वृद्धि की गई है। निजी वाहनों पर असर सीमित है, लेकिन कमर्शियल और भारी वाहनों के लिए 5 से 30 रुपए तक टोल बढ़ाया गया है। रिंग रोड पर हल्के वाहनों की दरें यथावत रखी गई हैं। वाहन चालकों के लिए वार्षिक फास्टैग पास की कीमत 3000 रुपए से बढ़ाकर 3075 रुपए कर दी गई है। इस पास से एक वर्ष में 200 बार टोल पार करने की सुविधा मिलती है।नई आबकारी नीति के तहत प्रदेश में शराब की कीमतों में 5 से 20 प्रतिशत तक इजाफा किया गया है। इससे उपभोक्ताओं की जेब पर असर पडेगा, हालांकि सरकार को इससे अतिरिक्त राजस्व मिलेगा।

रणथंभौर नेशनल पार्क और सरिस्का टाइगर रिजर्व में बाघों के दीदार के लिए अब ज्यादा शुल्क देना होगा। वन विभाग ने प्रवेश शुल्क, वाहन शुल्क और कैमरा फीस में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो अगले दो वर्षों तक लागू रहेगी। टाइगर रिजर्व में सफारी का समय भी बदला गया है। अब सुबह की पारी 6 बजे से 9:30 बजे तक और शाम की पारी 3 बजे से 6:30 बजे तक चलेगी। वहीं आमेर किला में हाथी सवारी का समय सुबह 7 से 10:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। नए शिक्षण सत्र की शुरुआत के साथ प्रदेश में स्कूलों का समय ग्रीष्मकालीन कर दिया गया है। एक पारी स्कूल सुबह 7:30 से दोपहर 1 बजे तक और दो पारी स्कूल सुबह 7 से शाम 6 बजे तक संचालित होंगे। आंगनबाडी केंद्र अब सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे।

## 'लोकतंत्र के हत्यारे कर रहे लोकतंत्र बचाने की बात'

**जयपुर।** शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि आज कैसा समय है कि लोकतंत्र के हत्यारे लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे हैं। जिन लोगों ने सन 1975 में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोट दिया और अपने फायदे के लिए बड़े-बड़े राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया था और 17 साल तक ग्राम पंचायतों के चुनाव नहीं कराए। ऐसे लोकतंत्र के हत्यारे लोकतंत्र की बात कर रहे हैं इनको शर्म आनी चाहिए।

# लूट की वारदात करने वाला हिस्ट्रीशीटर आरोपी गिरफ्तार

**जयपुर।** शहर के ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र में हुई लूट की वारदात का पुलिस ने महज 24 घंटे में खुलासा करते हुए एक हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटा गया सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि 30 मार्च 2026 को परिवादी गुरुदयाल नमन (31) निवासी नारदपुरा रोड, नागल सुसावतान (आमेर) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे के पास विक्रम टैम्पो लेकर खड़ा था, तभी एक युवक ने जबरन उसका पर्स छीन लिया। पर्स में करीब 9 हजार रुपए, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज थे। इस पर थाना ट्रांसपोर्ट नगर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सुथार के सुपरविजन में थाना प्रभारी अरुण चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा संदिग्धों से पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी सोहेल कुरैशी (27) निवासी आजाद नगर, ट्रांसपोर्ट नगर को डिटेन कर पूछताछ की, जिस पर उसने वारदात करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में भी कई मामलों में लिप्त रहा है और नशे का आदी है। नशे की पूर्ति के लिए वह लूट, चोरी व जेबतराशी जैसी वारदातों को अंजाम देता था।

## चैत्र मेले पर भव्य शोभा यात्रा

**जयपुर।** आचार्य श्री सद्गुरु स्वामी टेऊराम जी महाराज द्वारा स्थापित पावन चैत्र मेले के 105 वे पंच दिवसीय उत्सव के अंतर्गत बुधवार को विशाल शोभा यात्रा दोपहर 3 बजे श्री अमरापुर स्थान से निकाली गई।

शोभा यात्रा एम आई रोड से होती हुए इंद्रा बाजार, नेहरू बाजार, बापू बाजार, छोटी चोपड़ा,चांदपोल बाजार,संसारचंद रोड से होती हुई अमरापुर स्थान पहुंची। विभिन्न मार्गों पर देश विदेश के प्रेमी स्थानीय श्रद्धालुओं ने पूज्य गुरुदेव एवं संत मंडल का पुष्प एवं फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया।

# पुलिस कमिश्नर करेंगे 4 अप्रैल को जनसुनवाई

**जयपुर।** आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के उद्देश्य से जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल 4 अप्रैल (शनिवार) को पुलिस थाना शिवदासपुरा में जनसुनवाई करेंगे। यह जनसुनवाई दोपहर 11:30 बजे से 1:30 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसमें चाकसू सर्किल के चाकसू, शिवदासपुरा, सांगानेर सदर और कोटखावदा थाना क्षेत्रों के परिवादियों की समस्याएं सुनी जाएंगी।

पुलिस प्रशासन के अनुसार जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आमजन की शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान करना है। साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर लंबित मामलों को मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।पुलिस ने संबंधित क्षेत्र के परिवादियों से जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं रखने की अपील की है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस कमिश्नर द्वारा एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा, सामुदायिक भवन सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधर नगर ,भांकरोटा और बस्सी में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

- चाकसू सर्किल के चार थानों के परिवादियों की सुनी जाएंगी समस्याएंबीच गहरे संबंध पर विचार साझा किए गए

## देवनानी ने लोकसभाध्यक्ष समेत केन्द्रीय मंत्रियों सें की मुलाकात

**नई दिल्ली।** राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल तथा राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ से शिष्टाचार मुलाकात कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा की।देवनानी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ हुई भेंट के दौरान लोकतांत्रिक परंपराओं, संसदीय गरिमा एवं जनहित से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया। देवनानी ने बिरला को राजस्थान विधानसभा की प्रगति के प्रतीक स्वरूप संसदीय संस्कृति का उत्कर्ष नवाचारों के 2 वर्ष 'राजस्थान विधानसभा की दैनंदिनी' एवं 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि पुस्तक भेंट की।

# बजट में स्वीकृत कोई भी विकास कार्य अधूरा नहीं रहे : मंत्री जोराराम कुमावत

## पशु बीमा योजना, मोबाइल वेटरिनरी यूनिट, भूमि आवंटन और टीकाकरण के मुद्दे पर चर्चा

**जयपुर (कासं)।** पशुपालन, गौपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बजट में स्वीकृत योजनाओं और कार्यों को 100 प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कहा कि, बजट में स्वीकृत कोई भी कार्य अधूरा नहीं रहना चाहिए। कुमावत बुधवार को पशुपालन विभाग की बजट समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

समीक्षा बैठक में प्रमुख शासन सचिव विकास सीताराम भाले, संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़, निदेशक पशुपालन डॉ. सुरेश चंद मीना, वित्तीय सलाहकार अतिरिक्त निदेशक डॉ.प्रवीण कुमार, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. लक्ष्मण राव, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहित बीमा कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि अब तक 35 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण हो चुका है, 19 लाख से अधिक पशुओं की बीमा पॉलिसी जारी हो चुकी है और लगभग 7000 दावों का निस्तारण करते हुए पशुपालकों को 14 करोड़ से अधिक राशि का भुगतान किया जा चुका है। मंत्री कुमावत ने बीमा कंपनी को दावों के भुगतान की गति बढ़ाने और सर्वेयर की संख्या बढ़ाकर पेंडेंसी खत्म करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने विभाग और बीमा कंपनी को काम में गति लाते हुए जून माह तक बीमा पॉलिसी का काम पूरा करने के निर्देश दिए।

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के प्रभावी संचालन पर चर्चा करते हुए मंत्री कुमावत ने कहा कि सरकार मोबाइल वेटरनरी यूनिट के प्रभावी और सुचारू संचालन के प्रति बहुत गंभीर है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि पिछले दो वर्ष में 16 लाख से अधिक पशुपालकों ने 62 लाख से अधिक पशुओं का इलाज मोबाइल वेटरनरी यूनिट के माध्यम से कराया है इसके अलावा लगभग एक लाख से अधिक पशुपालकों ने चैटबॉट के माध्यम से भी अपने पशुओं की बीमारी का उपचार लिया। मंत्री कुमावत ने कॉल सेंटर को और अधिक व्यवस्थित करते हुए सभी कॉल अटेंड करने के निर्देश दिए।

सेक्स सॉर्टेड सीमन के तहत विभाग की धीमी प्रगति पर कुमावत ने नाराजगी व्यक्त करते हुए इसमें ए.आई. करने वालों द्वारा अनुचित तरीके से पैसे लिए जाने पर कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने सेक्स सॉर्टेड के समुचित प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए जिससे अधिक से अधिक संख्या में पशुपालक ए आइ कराने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा और सेक्स सॉर्टेड सीमन को फ्लैगशिप कार्यक्रम से जोड़ा जाए। उन्होंने विभाग में अच्छा काम करने वाले लोगों को और काम में कोताही करने वालों को दंडित करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि भवन रहित संस्थानों के लिए भूमि आवंटन का लक्ष्य 80 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। शेष 20 प्रतिशत भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। 16 मार्च को प्रारंभ हुए एफएमडी रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान के संबंध में पशुपालन मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि 16 मई तक चलने वाले इस अभियान में टीकाकरण कार्य को पूरी गंभीरता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि प्रदेश का वर्ष 2030 तक खुरपका-मुंहपका रोग से मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। बैठक में पशुओं में फैलने वाली लंपी और कर्रा जैसी मौसमी बीमारियों के प्रभावी रोकथाम और नियंत्रण पर भी चर्चा की गई। मंत्री कुमावत ने निर्देश दिए कि लंपी एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए विभाग को मिशन मोड पर पूरी तैयारी रखनी चाहिए। बैठक में विभिन्न जिलों में खोले जाने वाले डिग्री एवं डिप्लोमा कॉलेजों, विभाग में रिक्त पदों, नवीन भर्ती तथा ब्लॉक स्तरीय प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण पर भी चर्चा हुई।

मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को पशुपालन विभाग की बजट समीक्षा बैठक ली।

- सेक्स सॉर्टेड सीमन के तहत विभाग की धीमी प्रगति पर मंत्री ने जताई नाराजगी, फर्जी भुगतान उठाने वालों पर कार्रवाई के निर्देश

# जयपुर सहित दस शहरों में बारिश, पारा गिरा

**जयपुर।** प्रदेश में सक्रिय पश्चिम के प्रभाव से लगातार विभिन्न हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। बुधवार को जयपुर सहित करीब दस से अधिक शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। बारिश से अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। 2 अप्रेल को दोपहर बाद जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी व बीकानेर संभाग के जिलों व आसपास के क्षेत्र में आंधी बारिश की गतिविधियों में पुन: बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को अजमेर, वनस्थली, अलवर, जयपुर, पिलानी, सीकर, चूरू, फतेहपुर, दौसा और झुंझुनूं सहित कुछ अन्य शहरों में बारिश हुई। 38.6 डिग्री के साथ चित्तौड़गढ़ का दिन और 24 डिग्री के साथ प्रतापगढ़ की रात सबसे गर्म रही।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मंगलवार को राज्य के कुछ भागों में आंधी-बारिश दर्ज की गई। पूर्वी राज में सर्वाधिक बारिश 34 मिमी सांभर, जयपुर में व पश्चिमी राज के करनपुर, श्रीगंगानगर में 4 मिलीमीटर दर्ज की गई है। बुधवार को पूर्वी व उत्तरी भागों में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने व शेष भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है।

आगामी मजबूत पश्चिमी विक्षोभ का सर्वाधिक प्रभाव 3-4 अप्रैल को दर्ज होने तथा जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में पुन: तेज मेघगर्जन के साथ आंधी-बारिश (40-50 किमी प्रतिघंटा) होने की प्रबल संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की भी संभावना है। एक और नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ 7-8 अप्रैल को कुछ भागों में सक्रिय होने की संभावना है।

जयपुर में बुधवार को भी मौसम बदला रहा। जयपुर में सुबह कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। बादल छाए रहने के साथ हवाएं चली। इससे जयपुर के पारे में गिरावट दर्ज की गई। जयपुर के दिन के पारे में 0.4 और रात के पारे में 0.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 33.6 और न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री दर्ज किया गया।

इस बार दिन का तापमान सामान्य से नीचे रहने के कारण हीटवेव के दिन भी सामान्य से बहुत कम रहने का अनुमान है। जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा संभाग के एरिया में सबसे कम हीटवेव चलेगी। बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर में सामान्य या उससे थोड़े ज्यादा दिन हीटवेव का असर रहेगा। यहां दिन का तापमान 47 से 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, लेकिन इस साल ये कम रहेगा।

मौसम विज्ञान केन्द्र ने सामान्य से 5 डिग्री अधिक तापमान में चलने वाली गर्म और सूखी हवा को हीटवेव की श्रेणी में रखता है। अधिकतम तापमान 47 डिग्री के पार पहुंचने पर चलने वाली गर्म हवा को गंभीर हीटवेव माना जाता है। एक्सपर्ट के अनुसार हीटवेव चलने का प्रमुख कारण है ग्लोबल वॉर्मिंग, बारिश या बादल का न होना और तेज धूप। हीटवेव का असर मैदानी इलाकों में सबसे ज्यादा होता है।